तू चल तो सही खाटू | by Vijay Lakshmi

तेरी राहों से कांटे वो पल भर में हटाएगा
तू चल तो सही खाटू जीवन महकाएगा
तेरी राहों से कांटे वो पल भर में हटाएगा

खाटू की धरती तो है स्वर्ग से भी प्यारी
लीले बैठकर श्याम करते असवारी जी
ये मोरछड़ी तेरे सर पे लहराएगा
तू चल तो सही खाटू जीवन महकाएगा
तेरी राहों से कांटे वो पल भर में हटाएगा

जिसने भी चूमी है माटी इस धरती की
बदल गई रेखा उसके तो नसीबो की
निर्धन लाचारों को ये सेठ बनाएगा
तू चल तो सही खाटू जीवन महकाएगा
तेरी राहों से कांटे वो पल भर में हटाएगा

ये देव दयालु है तू क्यों घबराता है
नेता अभिनेता भी यहाँ शीश झुकाता है
क्यों चिंता करे सत्या तू मौज उड़ाएगा
तू चल तो सही खाटू जीवन महकाएगा
तेरी राहों से कांटे वो पल भर में हटाएगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%9a%e0%a4%b2-%e0%a4%a4%e0%a5%8b-%e0%a4%b8%e0%a4%b9%e0%a5%80-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-by-vijay-lakshmi/